मूल्य : 4/- रुपए, पृष्ठ : 8 RNI No. MPHIN/2023/88328 साप्ताहिक समाचार पत्र

READERS' OPINION

रीडर्स ओपिनियन

वर्ष : 4 अंक : 15 इंदौर : 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2026 तक

खबरों की रील देखने के लिए स्कैन करें

@READERS.OPINION

readersopinionofficial

शहर में प्यास और राह में बर्बादी

जलूद से इंदौर तक नर्मदा लाइन से रोजाना बह रहा है दो करोड़ लीटर पानी

इंदौर। एक तरफ इंदौर शहर भीषण अल्पवर्षा और आसन्न जलसंकट के मुहाने पर खड़ा है, वहीं दूसरी तरफ जलूद से लेकर शहर के घरों तक पहुँचने वाली नर्मदा जल आपूर्ति व्यवस्था की पोल खोलती एक चौंकाने वाली हकीकत सामने आई है। शहर-वासियों से एक-एक बूंद पानी सहेजने की अपील करने वाला नगर निगम खुद अपनी व्यवस्थाओं के जरिए हर रोज लगभग डेढ़ से दो करोड़ लीटर यानी 15 से 20 एमएलडी अमूल्य नर्मदा जल यूं ही बर्बाद कर रहा है। यह बर्बादी तब हो रही है जब शहर में पानी के लिए हाहाकार की स्थिति बनने लगी है और भू-जल स्तर लगातार नीचे गिर रहा है।



आंकड़ों के आईने में देखें तो जलूद पंपिंग स्टेशन से रोजाना करीब 445 एमएलडी नर्मदा जल इंदौर के लिए रवाना किया जाता है। लेकिन जलूद से इंदौर के बीच मानपुर, महूगांव, महू और राऊ जैसे ग्रामीण व शहरी इलाकों से गुजरने वाली मुख्य पाइपलाइन में रख-रखाव के अभाव और पुराने जोड़ों के कमजोर होने के कारण भारी रिसाव हो रहा है। अकेले शहर की सीमा तक पहुँचने से पहले ही रास्ते में लगभग 10 से 12 एमएलडी पानी जंगलों और खेतों में बह जाता है। ओल्ड बीपी टैंक से जुड़ी 1200 एमएम ग्रेविटी पाइपलाइन से तो ओवरफ्लो होकर पानी लगातार जंगल में व्यर्थ जा रहा है। ● शेष पेज 2 पर



लोग हैरान, एक हेड कॉन्स्टेबल के पास निकली 68 करोड़ की संपत्ति

इंदौर। इंदौर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल फिरोज खान के खिलाफ लोकायुक्त की जांच ने पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार की गहराई को एक बार फिर उजागर कर दिया है। एक साधारण ड्राइवर पद पर तैनात कर्मी के पास बाजार मूल्य करीब 68 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा होना किसी भी ईमानदार व्यवस्था के लिए शर्मनाक है। 24 अक्टूबर तक की जांच में 51 अचल संपत्तियां चिन्हित हुई हैं, जिनकी सरकारी गाइडलाइन कीमत 19.94 करोड़ रुपये है, जबकि कुल चल-अचल संपत्तियां 21.65 करोड़ रुपये आंकी गई हैं।

सबसे चौंकाने वाला खुलासा देवास के राजोदा में दो महिलाओं, रोशनी वर्मा और रानू कुशवाह, के नाम पर खरीदी गई 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि का है। 11 जून 2024 को रजिस्ट्री हुई इस जमीन की दर्ज कीमत 1.65 करोड़ रुपये है, लेकिन बाजार मूल्य करीब 2.3 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। आदर्श कॉलोनी के प्लॉट, साहिल ट्रेडिंग कंपनी के नाम संपत्तियां, बैंक खातों में जमा रकम और मां वहीदा खान के नाम आरा मशीन जैसी तमाम चीजें जांच के घेरे में हैं।

14 अक्टूबर को लोकायुक्त महानिदेशक योगेश देशमुख के निर्देशन में हुई सर्च कार्रवाई के बाद संपत्तियों का ब्योरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ● शेष पेज 2 पर

महू की बेरछा फायरिंग रेंज में बारूदी विस्फोट, अनचले सैन्य बम से धातु निकालने के लालच में फिर जोखिम में पड़ी जान

महू। सामरिक दृष्टि से संवेदनशील महू छावनी क्षेत्र से सटे बेरछा और हेमा फील्ड फायरिंग रेंज के प्रतिबंधित इलाकों में ग्रामीणों की अवैध आवाजाही और सेना के बिना फटे गोलों (unexploded shells) को बीनने की खतरनाक आदत एक बार फिर बड़े हादसे का सबब बन गई। सोमवार को बेरछा फायरिंग रेंज के जंगल में सेना का एक जीवंत बम अचानक फटने से 55 वर्षीय हजारीलाल गिरवाल गंभीर रूप से घायल हो गए।



घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने स्थानीय लोगों की मदद से खून से लथपथ हजारीलाल को तुरंत महू के मध्यभारत नागरिक अस्पताल पहुँचाया। ● शेष पेज 2 पर

राऊ- हरसोला रोड पर पांदा पंचायत क्षेत्र में हुई अंधाधुंध पेड़ों की कटाई, चयन फार्म में नियमों को ताक पर रखकर काट डाले गए दर्जनों पेड़

महू। महू के राऊ- हरसोला रोड पर पांदा पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत चयन फार्म क्षेत्र में पर्यावरण और नियमों को दरकिनार कर पेड़ों की अवैध कटाई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।

हैरानी की बात यह है कि बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के महज एक घंटे के भीतर बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ों को मौत के घाट उतार दिया गया, जिससे स्थानीय निवासियों और पर्यावरण प्रेमियों में भारी रोष व्याप्त है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इतनी कम अवधि में धड़ल्ले से हुई इस पेड़ों की कटाई से साफ जाहिर होता है कि इसमें जिम्मेदारों से सांठगांठ रही है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या इस बेशकीमती हरियाली को उजाड़ने के लिए वन विभाग या स्थानीय पंचायत से कोई अनुमति ली गई थी? यदि नहीं, तो क्या यह पूरा कृत्य जिम्मेदार विभागों की जानकारी के बिना चल रहा था? ● शेष पेज 2 पर

रानी सराय में 182 पेड़ों की कटाई शुरू, तोतों के आशियाने पर संकट

इंदौर। इंदौर मेट्रो परियोजना के लिए रानी सराय परिसर में 182 हरे-भरे पुराने पेड़ों की कटाई का कार्य शुरू हो गया है। ये पेड़ लंबे समय से हजारों तोतों और अन्य पक्षियों का प्राकृतिक बसेरा रहे हैं। भूमिगत मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए आवश्यक इस कटाई को लेकर पर्यावरण प्रेमियों और जनहित पार्टी ने लंबे समय तक विरोध दर्ज कराया था।



मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने 22 अक्टूबर के आदेश में मेट्रो कॉर्पोरेशन को सशर्त अनुमति दी। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेड़ों को एक साथ या मनमाने तरीके से नहीं काटा जाएगा। कटाई पक्षी विशेषज्ञों की देखरेख में चरणबद्ध तरीके से होगी, ताकि पक्षियों को आसपास के अन्य पेड़ों पर शिफ्ट होने का समय मिल सके। ● शेष पेज 2 पर



पीथमपुर में तीन मासूमों की मौत पर सैकड़ों रहवासी उतरे सड़क पर, क्षेत्र में सड़क सुरक्षा की पुकार

पीथमपुर। पीथमपुर के औद्योगिक इलाके में रविवार को शोक और गुस्से का माहौल छाया रहा। महिंद्रा एंड महिंद्रा ब्रिज के पास गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले तीन स्कूली बच्चों को श्रद्धांजलि देने के लिए स्थानीय निवासियों ने पैदल यात्रा निकाली। यह यात्रा जल्द ही लंबे समय से चली आ रही नागरिक उपेक्षा के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन में बदल गई।

प्रदर्शनकारियों ने खराब सड़क स्थिति, देरी से हो रहे मरम्मत कार्यों और औद्योगिक ट्रैफिक के कारण अपर्याप्त यातायात प्रबंधन की आलोचना की। उन्होंने दुर्घटना वाले हिस्से की तकनीकी जांच व गुणवत्तापूर्ण मरम्मत, स्पीड लिमिट व दिशा सूचक बोर्ड लगाने, आवासीय क्षेत्रों में भारी वाहनों पर सख्त नियंत्रण तथा प्रमुख चौराहों पर बेहतर नियमन की मांग की। अधूरे इंदोरामा फ्लाईओवर को जल्द पूरा करने और विकास भवन से संजय जलाशय की ओर वैकल्पिक मार्ग बनाने की भी अपील की गई, ताकि मुख्य सड़कों पर दबाव कम हो। औद्योगिक इकाइयों से व्यस्त चौराहों पर अतिरिक्त यातायात व्यवस्था में सहयोग की अपेक्षा जताई गई। इन मांगों के साथ शोक संतप्त परिवारों को आर्थिक सहायता की अपील वाला ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। निवासियों ने चेतावनी दी कि समय पर कार्रवाई न होने पर आंदोलन का दायरा बढ़ाया जाएगा।

मृतक दो भाई प्रियांश और मोक्ष तथा उनकी मौसेरी बहन आरुषि सेंट फ्रांसिस स्कूल से बाइक पर घर लौट रहे थे। महू-नीमच मार्ग पर भारी वाहन की चपेट में आने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। स्थानीय लोग दुर्घटना स्थल पर जमा होकर उनकी आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते रहे।

इंदौर में फायर फ्लेम मशीन हादसे के बाद कड़ा एक्शन, रिहायशी इलाके में चल रही अवैध दुकान सील

इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र स्थित नंदानगर की एक घनी आवासीय गली में शादी-ब्याह और इवेंट्स में इस्तेमाल होने वाली फायर फ्लेम (Fire Flame) मशीन के परीक्षण (testing) के दौरान हुए दर्दनाक हादसे के बाद जिला प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई है। रविवार दोपहर घटित इस घटना में अपने पोते के साथ घर के बाहर से गुजर रहे वरिष्ठ नागरिक रमेशचंद्र जायसवाल अचानक मशीन से निकली लपटों की चपेट में आकर झुलस गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसमें साफ दिख रहा है कि इवेंट स्टाफ द्वारा मशीन का ट्रायल करते समय फायर नोजल का रुख अचानक गली में सड़क की तरफ घूम गया था।



मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा के सख्त निर्देश पर एसडीएम निधि वर्मा और तहसीलदार निधि धाकड़ की प्रशासनिक टीम ने तुरंत मौके पर पहुँचकर जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि रिहायशी इलाके के भीतर व्यावसायिक रूप से ऐसी घातक और ज्वलनशील लिक्विड आधारित मशीनों का भंडारण व परीक्षण किया जा रहा था, जो आसपास के रहवासियों के जीवन के लिए सीधा खतरा बना हुआ था। प्रशासनिक टीम ने सुरक्षा नियमों के घोर उल्लंघन पर संबंधित दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया।

वहीं, परदेशीपुरा थाना पुलिस ने लापरवाही से खतरनाक उपकरण चलाने और निर्दोष नागरिकों की जान जोखिम में डालने की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह हादसा इंदौर के मैरिज गार्डनों और इवेंट इंडस्ट्री में बिना किसी सुरक्षा मानक या अनुमति के धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहे आतिशबाजी उपकरणों और कोल्ड-फायर मशीनों की व्यापक जांच की सख्त जरूरत को रेखांकित करता है। प्रशासन के इस कड़े कदम से साफ संदेश गया है कि घनी बस्तियों में जानलेवा लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पेज एक का शेष

शहर में प्यास और राह में बर्बादी...

विशेषज्ञों का मानना है कि रास्ते में बर्बाद होने वाले इस एक करोड़ लीटर पानी से ही शहर की कम से कम 100 बड़ी कॉलोनियों की प्यास बुझाई जा सकती है।

ग्रामीण इलाकों से होते हुए जब यह पानी शहर की 3,801 किलोमीटर लंबी वितरण लाइन में प्रवेश करता है, तो यहां बर्बादी का दूसरा दौर शुरू होता है। शहर के हजारों सार्वजनिक और घरेलू नलों में टोटियां (taps) नदारद हैं। जैसे ही नर्मदा का प्रेशर बनता है, इन नलों से बेहिसाब पानी सड़कों पर बहने लगता है। इसके अलावा, जर्जर और लीक होते पानी के टैंकरों तथा टंकियों से भराई के दौरान होने वाला रिसाव रोजाना 5 से 7 एमएलडी पानी और गटक जाता है।

दूसरी ओर, निगम के अपने आंकड़े भी चिंताजनक स्थिति बयां करते हैं। शहरभर में बने बोरिंगों में से 361 बोरिंग पूरी तरह सूख चुके हैं, जिससे जल टंकियों पर दबाव और बढ़ गया है। इस गंभीर मसले पर जब महापौर पुष्यमित्र भार्गव से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि नगर निगम लीकेज सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे अपने नलों में टोटियां लगवाएं। हालांकि, सवाल यह है कि जब तक प्रशासनिक स्तर पर पुरानी और जर्जर लाइनों का आधुनिकीकरण नहीं होता, तब तक कागजी अपील से इस बहुमूल्य जल की बर्बादी को कैसे रोका जा सकेगा।

लोग हैरान, एक हेड कॉन्स्टेबल के पास...

24 साल की सेवा में वेतन से अनुमानित 75 लाख रुपये की कमाई वाले कर्मी के पास इतनी विशाल संपत्ति होना पुलिस तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार का प्रत्यक्ष प्रमाण है। निचले स्तर के कर्मचारियों में भी अवैध संपत्ति का इतना बड़ा जाल यह दर्शाता है कि भ्रष्टाचार अब महज ऊपरी रैंक तक सीमित नहीं रहा। लोकायुक्त की टीम दस्तावेजों और लेन-देन की गहन जांच जारी रखे हुए है।

महू की बेरछा फायरिंग रेंज में बारूदी...

हालांकि, शरीर में छर्रे धँसने और गंभीर चोटों को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें इंदौर के एमवाय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बड़गोंदा थाना पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर विस्तृत जाँच शुरू कर दी है।

महू-पीथमपुर मार्ग पर फैले बेरछा और हेमा रेंज के आसपास स्थित लगभग 15 गाँवों के ग्रामीण नियमित रूप से 'आउट ऑफ बाउंड्स' घोषित इलाकों में प्रवेश करते हैं। स्थानीय जानकारों के मुताबिक, ग्रामीण केवल सूखी लकड़ियाँ बीनने के इरादे से ही सुरक्षा घेरा नहीं तोड़ते, बल्कि कई बार सेना के अभ्यास के दौरान अनफायर्ड रह गए शेल (तोप व मोर्टार के गोले) को बीनकर उनसे तांबा व अन्य कीमती धातु निकालने के लालच में अपनी जान जोखिम में डालते हैं। धातु निकालने की कोशिश या फिर गलती से शेल के दब जाने पर धमाके होते हैं, जिससे ग्रामीण अपनी जान गंवाते हैं या जीवनभर के लिए अपंग हो जाते हैं।

भारतीय सेना, स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाने और चेतावनी बोर्ड लगाए जाने के बावजूद आर्थिक तंगी और लापरवाही के चलते ग्रामीण सुरक्षा निर्देशों को दरकिनार कर इन बारूदी क्षेत्रों में घुसने से बाज नहीं आ रहे हैं। यह घटना एक बार फिर बफर ज़ोन की सख्त फेंसिंग और प्रभावी कड़ाई की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

राऊ- हरसोला रोड पर पांदा पंचायत...

इस गंभीर मामले पर जब स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई, तो संबंधित महकमे के अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टालते नजर आए। क्षेत्र में लगातार कम हो रहे हरित आवरण के बीच इस तरह की मनमानी न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए खतरा है, बल्कि प्रशासनिक निगरानी तंत्र की पोल भी खोलती है। अब देखना यह होगा कि जनचर्चा का केंद्र बने इस अवैध कटाई प्रकरण में जिला प्रशासन और वन विभाग क्या ठोस कार्रवाई करता है।

रानी सराय में 182 पेड़ों की कटाई शुरू...

जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस जय कुमार पिल्लई की पीठ ने पक्षियों के आघात को कम करने पर जोर दिया।

मेट्रो कॉर्पोरेशन को बदले में 2500 नए पौधे लगाने होंगे। एक वर्ष के अंदर रिपोर्ट जमा करनी होगी और उसके बाद हर साल अप्रैल में गूगल सैटेलाइट इमेज के साथ पौधों की स्थिति बतानी होगी। सैकड़ों पुराने पेड़ कटने से हजारों पक्षियों का आशियाना प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है, फिर भी अदालत ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है।



रीडर्स ओपिनियन विशेष पड़ताल

समानांतर सत्ता के फेर में पिसता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का 'स्कूल ऑफ एजुकेशन'

● डॉ राजेश जौहरी, इंदौर

मध्य प्रदेश के प्रतिष्ठित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (DAVV) की साख और गिरते शैक्षणिक स्तर पर जब 'रीडर्स ओपिनियन' ने गहन पड़ताल शुरू की, तो प्रशासनिक गलियारों की कई चौंकाने वाली और कड़वी सच्चाई सामने निकलकर आई। विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन केंद्रों की जांच श्रृंखला की पहली कड़ी में 'स्कूल ऑफ एजुकेशन' (School of Education) का जो सच उजागर हुआ है, वह पूरे उच्च शिक्षा जगत के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

विभाग से सामने आए आधिकारिक पत्राचार और गोपनीय दस्तावेजों ने वरिष्ठ फैकल्टी सदस्यों के बीच वर्चस्व की जंग और प्रशासनिक पंगुता की कलई खोलकर रख दी है। दस्तावेजों के अनुसार, विभाग में कार्यरत शिक्षक डॉ. अवतार सिंह का नाम लगातार विवादों के केंद्र में बना हुआ है। एक तरफ जहाँ कनिष्ठ संकाय सदस्यों ने उनके खिलाफ परीक्षा संचालन, पाठ्यक्रम निर्धारण, अंकों के वितरण और विभाग के दमघोंटू कार्य परिवेश को लेकर गंभीर लिखित शिकायतें दर्ज कराई हैं, वहीं दूसरी तरफ डॉ. अवतार सिंह स्वयं विभागाध्यक्ष (HoD) डॉ. लक्ष्मण शिंदे और वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मधुलिका वर्मा जैसे शिक्षकों के कामकाज और पीएच.डी. कोर्सवर्क से संबंधित गतिविधियों पर विश्वविद्यालय प्रशासन को लगातार शिकायतें भेजते दिख रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम से सबसे अहम सवाल यह उठता है कि क्या डॉ. अवतार सिंह विभाग के विभागाध्यक्ष हैं? यदि वे केवल एक फैकल्टी मेंबर हैं, तो विभागाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अध्यापकों के कार्यक्षेत्र में लगातार हस्तक्षेप करने और शिकायतबाजी का उनका अधिकार-क्षेत्र क्या है? कनिष्ठ शिक्षकों द्वारा लगाए गए आरोपों में यह स्पष्ट कहा गया है कि पाठ्यक्रम और परीक्षा कार्य में असहयोग के साथ-साथ सार्वजनिक रूप से अमर्यादित व्यवहार का माहौल बनाया जा रहा है।

विश्लेषण करने पर प्रतीत होता है कि औपचारिक प्रशासनिक ढांचे के ऊपर एक 'समानांतर सत्ता' हावी हो चुकी है। असहमति किसी भी संस्थान का हिस्सा हो सकती है, लेकिन जब हर शैक्षणिक मतभेद प्रशासनिक शिकायत और आरोप-प्रत्यारोप का रूप ले ले, तो विभागीय अनुशासन पूरी तरह ध्वस्त हो जाता है। इसका सीधा खामियाजा छात्रों के शैक्षणिक भविष्य और शोध की गुणवत्ता को भुगतना पड़ रहा है।

चौंकाने वाली बात यह भी है कि विश्वविद्यालय का शीर्ष प्रबंधन और वरिष्ठ अधिकारी इस पूरे टकराव को मूकदर्शक बनकर देख रहे हैं। आखिर एक शिक्षक को इतनी छूट कैसे मिल सकती है कि उसका और विभागाध्यक्ष तथा वरिष्ठ फैकल्टी के साथ लगातार प्रशासनिक टकराव बना रहे? यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने समय रहते विभागीय जवाबदेही, पदानुक्रम की मर्यादा और सख्त अनुशासन तय नहीं किया, तो संस्थागत गरिमा को बचा पाना नामुमकिन हो जाएगा।

आपसी खींचतान की बली चढ़ते शोधार्थी : 17 छात्रों का भविष्य अधर में

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (DAVV) के 'स्कूल ऑफ एजुकेशन' में व्याप्त अंदरूनी कलह और समानांतर गुटबाजी का सबसे खौफनाक खामियाजा





उन होनहार शोधार्थियों को भुगतना पड़ा है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर DET 2023 परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

नियमों के अनुसार, प्रवेश परीक्षा पास करने वाले इन शोधार्थियों का 'पीएच.डी. कोर्सवर्क' वर्ष 2024 की शुरुआत में ही प्रारंभ हो जाना चाहिए था। लेकिन विभागाध्यक्ष प्रो. लक्ष्मण शिंदे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मधुलिका वर्मा और डॉ. अवतार सिंह के बीच जारी प्रशासनिक खींचतान तथा आपसी टकराव के कारण वर्षों बीत जाने के बाद भी इन छात्रों का शोध कार्य औपचारिक रूप से शुरू नहीं हो सका है।

शुरुआत में इस पीएच.डी. कोर्सवर्क के समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) का प्रभार डॉ. मधुलिका वर्मा के पास था। परंतु, डॉ. अवतार सिंह द्वारा की गई निरंतर शिकायतों और गंभीर आरोपों के दबाव में विश्वविद्यालय प्रशासन को समन्वयक की जिम्मेदारी बदलकर डॉ. अवतार सिंह को सौंपनी पड़ी। जिम्मेदारी संभालने के बाद डॉ. अवतार सिंह ने 13 जुलाई 2025 को एक आधिकारिक नोटिस जारी कर यह दावा किया था कि केवल समन्वयक बदला है, जबकि कक्षाएं और व्यवस्थाएं पूर्ववत रहेंगी।

हालाँकि, ज़मीनी हकीकत में कोई सुधार नहीं आया। समन्वयक का चेहरा बदलने के बाद भी प्रशासनिक गतिरोध बरकरार रहा और वे 17 शोधार्थी आज भी वहीं खड़े हैं, जहाँ वे महीनों पहले थे। कोर्स वर्क हो भी गया तो आरडीसी अभी तक नहीं हुई है, जिसका सीधा असर उनकी पीएचडी डिग्री अवार्ड होने पर पड़ेगा। सामान्यतः पीएचडी अवार्ड होने में तीन वर्ष लगते हैं पर यहाँ तो पांच वर्ष से भी अधिक लगने की उम्मीद है। विभागीय राजनीति और व्यक्तिगत अहं की इस लड़ाई में निर्दोष छात्र अपना कीमती शैक्षणिक वर्ष और करियर दांव पर लगाने को मजबूर हैं।

स्वायत्तता का दुरुपयोग या तानाशाही – एक छात्र के मामले से समझिये क्यों उठ रहे हैं संस्थागत स्वतंत्रता पर सवाल

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन में सह-प्राध्यापक के पद पर पदस्थ डॉ. अवतार सिंह के कथित तानाशाही रवैये और मनमाने आचरण की एक बानगी हालिया घटनाक्रम में स्पष्ट रूप से सामने आई है। लगातार हो रहे उत्पीड़न से परेशान होकर पवन ग्वालवंशी नामक छात्र ने राज्य सरकार की 'सीएम हेल्पलाइन' (CM Helpline) पर शिकायत दर्ज कराई।



जब शिकायत का मामला ऊपर तक पहुँचा, तो आरोप है कि विभागाध्यक्ष और डॉ. अवतार सिंह द्वारा छात्र पर शिकायत वापस लेने का चौतरफा दबाव बनाया गया। छात्र ने जब इस असंवैधानिक दबाव के आगे झुकने से इंकार कर दिया, तो सांख्यिकी (Statistics) पढ़ाने वाले डॉ. अवतार सिंह ने उसे अपनी कक्षाओं से बाहर रखने का फरमान सुना दिया।

एक स्वायत्त (Autonomous) संस्थान होने के नाते यहाँ पाठ्यक्रम निर्माण, प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन और अंकसूची तैयार करने की पूरी शक्ति विभागीय स्तर पर केंद्रित होती है। ऐसे में किसी छात्र को सांख्यिकी जैसी जटिल विषय की कक्षाओं से निष्कासित कर देने का सीधा अर्थ है- उसे टेस्ट-1, टेस्ट-2 या टेस्ट-3 में असफल कर उसके शैक्षणिक भविष्य को सीधे तौर पर तबाह करना। केवल व्यक्तिगत नाराजगी या शिकायत दर्ज कराने की सजा के रूप में छात्र के करियर को दांव पर लगाना बेहद चिंताजनक है।

यह मामला यूजीसी और विश्वविद्यालय की स्वायत्तता प्रणाली (Autonomous System) पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। क्या स्वायत्तता का अधिकार इसलिए दिया गया था ताकि कोई फैकल्टी सदस्य छात्रों के जीवन और भविष्य के साथ खिलवाड़ कर सके? समय आ गया है कि इस तरह के बेलगाम अधिकारों और अकादमिक तानाशाही पर नकेल कसने हेतु जवाबदेही तय की जाए।

पानी की बर्बादी पर इंदौर नगर निगम सख्त, तड़के सड़कों पर उतरे महापौर

इंदौर। इंदौर में पेयजल की एक-एक बूंद सहेजने के लिए नगर निगम ने आक्रामक रुख अपना लिया है। गर्मी के दिनों में बढ़ने वाले जल संकट की आशंका और पानी के बेजा इस्तेमाल पर नकेल कसने के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव सोमवार तड़के प्रशासनिक अमले के साथ औचक निरीक्षण पर सड़कों पर उतर आए। पार्श्वनाथ, विनय नगर, जैन कॉलोनी और लोकमान्य नगर जैसे इलाकों में सुबह-सुबह पहुंचकर उन्होंने न केवल रहवासियों से संवाद किया, बल्कि खुले में नल छोड़कर पानी बहाने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी।



निरीक्षण के दौरान जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू', पार्षद योगेश गेदर और स्थानीय जोनल अधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि एनजीओ की विशेष टीमें सुबह के वक्त हर गली और मोहल्ले में निगरानी रखेंगी। पानी बर्बाद करने वालों को पहले दो से तीन बार मौखिक समझाइश दी जाएगी, लेकिन इसके बावजूद बाज न आने पर वीडियोग्राफी कर सीधे भारी चालानी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, आरओ (RO) से निकलने वाले व्यर्थ पानी को पौधों, वाहन धुलाई और घरेलू कार्यों में पुनर्चक्रित करने की सलाह दी गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि इंदौर प्रशासन का यह कदम सराहनीय है, बशर्ते यह अभियान सिर्फ औप-चारिकता न बनकर निरंतर चले। दीपावली तक चलने वाले इस विशेष निगरानी चार्ट के जरिए निगम का लक्ष्य जनता को जागरूक करने के साथ-साथ जल संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

चंदन नगर में नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार, पहले से दर्ज हैं आठ मामले

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ की सनस-नीखेज घटना सामने आई है, जहाँ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को धर दबोचा। पकड़ा गया आरोपी कोई आम अपराधी नहीं, बल्कि पहले से ही आपराधिक इतिहास वाला शातिर बदमाश है।



घटना के अनुसार, देर रात जब नाबालिग बालिका अपनी बड़ी बहन के साथ अपने घर लौट रही थी, तब मोटरसाइकिल सवार विजय उर्फ रोहित उर्फ बाबू ने सुनियोजित तरीके से उनका पीछा किया और रास्ता रोक लिया। आरोपी ने पीड़िता को घर छोड़ने का झूठा झांसा देकर बाइक पर बैठने का दबाव बनाया। जब बालिका ने इसका पुरजोर विरोध किया, तो हताश आरोपी ने उसके हाथ और कपड़े खींचकर अभद्रता की, जिससे पीड़िता को खरोंचें भी आईं। आरोपी यहीं नहीं रुका, बल्कि पीछा करते हुए उसके घर तक पहुँच गया। परिजनों के बाहर आने पर वह धमकी देते हुए फरार हो गया।

पीड़िता की शिकायत पर चंदन नगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) और पॉक्सो (POCSO) एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि घटना के बाद आरोपी अपना मोबाइल बंद कर लगातार ठिकाने बदल रहा था। हालांकि, पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी विजय के खिलाफ पहले से ही मारपीट, बलवा और आर्म्स एक्ट जैसे आठ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

'ऑपरेशन मैट्रिक्स' – साइबर ठगों के अंतरराज्यीय म्यूल नेटवर्क पर शिकंजा, चार गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा डिजिटल अपराधियों और म्यूल बैंक खातों के अवैध नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मैट्रिक्स' के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। क्राइम ब्रांच, तुकोगंज और लसूड़िया पुलिस की संयुक्त टीमों ने तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में प्रभावी घेराबंदी कर चार शातिर आरोपियों को दबोचा है।



क्राइम ब्रांच ने आईडीएफसी बैंक के संदिग्ध खाते में 5 लाख रुपये से अधिक का फर्जी लेन-देन करने वाले कुशल सिंह सिसोदिया को गिरफ्तार किया, जिसके तार उत्तर प्रदेश के देवरिया व लखनऊ में दर्ज साइबर अपराधों से जुड़े पाए गए हैं। दूसरी कार्रवाई में तुकोगंज पुलिस ने आकाश रसीले और सावन सोलंकी को गिरफ्तार किया, जिनके म्यूल खातों का इस्तेमाल देशव्यापी ठगी की रकम खपाने में हो रहा था। वहीं, लसूड़िया पुलिस ने सूरत ग्रामीण (गुजरात) पुलिस के साथ मिलकर 'पॉइंट ऑफ सेल' (PoS) धोखाधड़ी में वांछित मयंक जैन को धरदबोचा, जिसके पास से भारी मात्रा में अवैध फर्जी सिम कार्ड बरामद हुए हैं।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राइम) राजेश दंडोतिया ने बताया कि यह कार्रवाई अंतरराज्यीय वित्तीय धोखाधड़ी के सिंडिकेट को ध्वस्त करने की दिशा में बड़ा कदम है। पुलिस अब फर्जी खातों के पीछे सक्रिय मास्टरमाइंड्स और संदिग्ध बैंकिंग मिलीभगत की वित्तीय जांच (Financial Investigation) में जुटी है।

देवगुराड़िया मार्ग पर बेकाबू मिनी ट्रक ने ली शेयर कारोबारी की जान

इंदौर। इंदौर के देवगुराड़िया स्थित शनि मंदिर से दर्शन कर अपनी एक्टिवा से लौट रहे 35 वर्षीय शेयर कारोबारी अनंत भंडारी की भीषण सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार सुबह ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने उनकी स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे अनंत वाहन के नीचे आ गए। डॉक्टरों ने अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।



वारदात के बाद आरोपी चालक ट्रक लेकर फरार हो गया, जिसे करीब 500 मीटर दूर छोड़कर वह भाग निकला। हालांकि, गुस्साए स्थानीय लोगों ने ट्रक के क्लीनर और चालक को दबोचकर खुड़ैल पुलिस के हवाले कर दिया।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह दुर्घटना सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि बायपास और देवगुराड़िया सड़क पर सुबह के वक्त भारी व कमर्शियल वाहनों की तेज रफ्तार पर पुलिस निगरानी के अभाव का नतीजा है। इंदिरा सिक्योरिटीज से जुड़े और अपनी शेयर ट्रेडिंग फर्म चलाने वाले अनंत अपने पीछे पत्नी व वृद्ध माता-पिता को छोड़ गए हैं। इस घटना ने एक बार फिर धार्मिक स्थलों और व्यस्त बायपास कनेक्टर्स पर स्पीड ब्रेकर तथा प्रभावी पुलिस गश्त की सख्त जरूरत को रेखांकित किया है।

सड़कों पर बहता खून और प्रशासनिक बहरापन, धार की सड़कों पर तीन हादसों में 9 ज़िंदगियों की बलि, सुरक्षा दावों की खुली पोल

धार/ पीथमपुर। धार जिले में रफ्तार का कहर और बदहाल यातायात प्रबंधन अब बेगुनाहों के लिए काल साबित हो रहा है। महज कुछ ही दिनों के भीतर घटित तीन अलग-अलग दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं में 9 लोगों की मौत और आधा दर्जन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की घटना ने क्षेत्र को दहला कर रख दिया है। इन हादसों ने न केवल पीड़ित परिवारों में कभी न भरने वाला मातम घोला है, बल्कि हाईवे सुरक्षा मानकों, सार्वजनिक परिवहन निगरानी और स्थानीय प्रशासन की घोर लापरवाही पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।



सबसे भीषण दुर्घटना सादलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत महू-नीमच मार्ग पर घटी, जहाँ सांवरिया जी के दर्शन कर लौट रहे बड़ी सागौर और सुहागपुरा (धार) निवासी पाँच दोस्तों की कार का टायर अचानक फट गया। अनियंत्रित होकर कार पुल के नीचे गिर पड़ी और देखते ही देखते उसमें सीएनजी (CNG) सिलेंडर फटने से भीषण ब्लास्ट हो गया। आग की लपटों इतनी तेज थीं कि अंकुश (20), चेतन (20), अनमोल (19) और अभिषेक ज़िंदा जल गए। 40 प्रतिशत तक झुलसे पाँचवें साथी तुषार को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है।

दूसरी ओर, धार जिले के कानवन थाना क्षेत्र में इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर सांवरिया सेठ के दर्शन को जा रहे श्रद्धालुओं की तेज रफ्तार कार (MP42 ZF 3109) बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराती हुई खाई में जा गिरी। हादसे में शाजापुर निवासी अंकुर (30) और रोहित (32) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इंदौर के चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसों की इस भयावह श्रृंखला का सबसे संवेदनशील और रुला देने वाला पहलू पीथमपुर सेक्टर-1 में सामने आया। सेंट फ्रांसिस स्कूल से छुट्टी के बाद बाइक से घर लौट रहे मासूम स्कूली बच्चों, प्रियांशु (15), मोक्ष (11) और उनकी चचेरी बहन आयुषी (10) की बाइक बारिश के कारण फिसल गई। इससे पहले कि मासूम संभल पाते, लोहे की छड़ों से लदे बेलगाम ट्रक-ट्रैलर (MP13 AL 3997) ने उन्हें बेरहमी से रौंद दिया और तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

इन तीनों घटनाओं का बारीकी से विश्लेषण करें तो एक बात साफ उजागर होती है कि धार जिले के राजमार्गों और औद्योगिक क्षेत्रों में भारी वाहनों की बेकाबू रफ्तार, नो-एंट्री नियमों के उल्लंघन और ओवरस्पीडिंग पर यातायात पुलिस का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि सिर्फ हादसे के बाद पंचनामा बनाने और वाहन जब्त करने तक सीमित रहने वाला प्रशासन अगर सड़कों पर ब्लैक स्पॉट्स की पहचान, सीएनजी सुरक्षा जांच और ओवरस्पीडिंग पर समय रहते नकेल कसे, तो रोज-रोज उजड़ती इन मासूम जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

किशनगंज पुलिस का एक्शन

अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

महू। इंदौर ग्रामीण के किशनगंज थाना क्षेत्र ने अवैध हथियारों के काले कारोबार पर कड़ी चोट करते हुए एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान इनके कब्जे से 32 बोर व 6 बोर की अवैध पिस्तौल और 9 मैग्जीन समेत कुल 1 लाख 40 हजार 500 रुपये मूल्य की आग्नेय सामग्री जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के मकबूला क्षेत्र निवासी सतपाल उर्फ एसपी नायक, उपकार सिंह पटवा और मुकेश कुमार उर्फ मुक्कू के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से ये हथियार लेकर आए थे। उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि उनके खिलाफ पूर्व में भी आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों से रिमांड पर पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे अवैध असलाह किससे और किसे सप्लाई करने वाले थे।



महू एसडीएम पर हाई कोर्ट की गाज, 50 हजार रुपये की कॉस्ट के साथ आदेश निरस्त

महू। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर और नियमों की अनदेखी कर आदेश पारित करने के मामले में महू एसडीएम राकेश परमार को कड़ी फटकार लगाते हुए उनके आदेश को निरस्त कर दिया है। अदालत ने अधिकारी की इस मनमानी को न्यायिक मर्यादा और प्राकृतिक न्याय का खुला उल्लंघन मानते हुए उन पर 50,000 रुपये का भारी जुर्माना (कॉस्ट) अधिरोपित किया है। कोर्ट ने यह राशि 7 दिनों के भीतर हाई कोर्ट रजिस्ट्री में जमा कराने के निर्देश दिए हैं।



पूरा मामला राजस्व रिकॉर्ड और विभागीय प्रक्रिया की अनदेखी कर शासकीय व निजी हितों से जुड़े प्रकरण में एकतरफा और जल्दबाजी में फैसला सुनाने से संबंधित है। प्रभावित पक्ष द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि एसडीएम जैसे उच्च अर्ध-न्यायिक अधिकारी से विधि के शासन और निष्पक्षता की अपेक्षा की जाती है। इस प्रकार प्रशासनिक अधिकारों का दुरुपयोग कदाचरण की श्रेणी में आता है।

उल्लेखनीय है कि यह पहला मौका नहीं है जब एसडीएम राकेश परमार विवादों में घिरे हों; इससे पूर्व भी ग्राम हरसोला में करीब 1.2 हेक्टेयर बेशकीमती सरकारी चरनोई भूमि को निजी पक्षकारों के नाम दर्ज करने के गंभीर आरोपों में संभागायुक्त स्तर से उन पर विभागीय जांच और आरोप पत्र जारी हो चुका है। हाई कोर्ट का यह सख्त रुख इंदौर जिले में बेलगाम होते राजस्व अधिकारियों और प्रशासनिक चूक पर कड़ा संदेश देता है।

ड्यूटी पर लौट रहे महू के हवलदार पवन कुमार का ट्रेन हादसे में निधन, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

महू। महू के तेलीखेड़ा स्थित पलक सिटी के निवासी और असम राइफल्स की 34वीं यूनिट में तैनात 44 वर्षीय हवलदार पवन कुमार का उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में एक ट्रेन हादसे में निधन हो गया है। अवकाश समाप्त होने के बाद जब वे अपनी यूनिट में शामिल होने लौट रहे थे, तब जलालगंज रेलवे स्टेशन के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ। इस आकस्मिक निधन से महू क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।



सेना के वीर जवान का पार्थिव शरीर महू पहुंचने पर गायकवाड़ मुक्तिधाम में राजकीय व सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की तैयारियां की गईं। इस दौरान सेना के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासियों ने नम आंखों से शहीद जवान को अंतिम विदाई दी और सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। सैन्य टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सैल्यूट किया।

गौरतलब है कि देशभक्ति का यह जज्बा उनके परिवार की रग-रग में बसा है; उनके पिता सेना से सेवानिवृत्त हैं और उनके छोटे भाई भी देश सेवा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।



मंडलेश्वर में नर्मदा किनारे मिले राऊ विधानसभा के सैकड़ों वोटर आईडी

मंडलेश्वर। खरगोन जिले के मंडलेश्वर में नर्मदा नदी के तट पर सफाई के दौरान इंदौर की राऊ विधानसभा क्षेत्र से जुड़े सैकड़ों मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी कार्ड) मिलने से प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। नदी किनारे इतनी बड़ी संख्या में सरकारी दस्तावेज लावारिस हालत में मिलने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

इस संवेदनशील मामले को लेकर पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने इंदौर में मीडिया से मुखातिब होते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे लोकतंत्र की पारदर्शिता पर सीधा प्रहार बताते हुए कहा कि इसकी उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग तथा जिला प्रशासन से मांग की है कि वे फौरन संज्ञान लेकर यह स्पष्ट करें कि ये कार्ड असली हैं या फर्जी, और इंदौर से लगभग सौ किलोमीटर दूर नर्मदा तट तक कैसे पहुंचे। वर्मा ने आरोप लगाया कि हालिया घोटालों की तरह इस मामले में भी कागजी जांच का झुनझुना थमाकर सच को दबाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, मामले की गंभीरता को भांपते हुए इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने सोमवार देर शाम इस पूरे प्रकरण पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट निर्वाचन आयोग को भेज दी है। प्रशासनिक और चुनावी हलकों में इस बात की सुगबुगाहट है कि आखिर इतने संवेदनशील दस्तावेज इस तरह खुले में कैसे फेंके गए। हालांकि, जिला प्रशासन की ओर से आधिकारिक बयान सामने आने के बाद ही इस रहस्य से पर्दा उठेगा कि इसके पीछे किसी प्रशासनिक चूक का हाथ है या सुनियोजित साजिश का।

मंत्रियों का अनोखा अंदाजः

बाइक पर निरीक्षण

इंदौर। इंदौर के लव-कुश चौराहे पर बने डबल डेकर फ्लाईओवर के निरीक्षण के दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट का अनोखा अंदाज देखने को मिला। दोनों मंत्री एक ही बाइक पर सवार होकर ब्रिज पर पहुंचे। विजयवर्गीय ने हैंडल संभाला जबकि सिलावट पीछे बैठे। हेलमेट लगाए दोनों ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थल का बारीकी से जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बाइक चलाते हुए विजयवर्गीय ने ब्रिज की खासियत और शहर के यातायात में इसकी उपयोगिता बताई। मंत्रियों का यह सहज और आम आदमी जैसा अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बना। यह दृश्य विकास कार्यों में उनकी सीधी भागीदारी और सरल शैली को दर्शाता है।



राजवाड़ा पर माला बेचने वाले गरीब फुटपाथ व्यापारियों का छलका दर्द

इंदौर। इंदौर के ऐतिहासिक राजवाड़ा क्षेत्र में त्योहारी सीजन के बीच नगर निगम की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। दिवाली के ठीक पहले जहाँ एक तरफ शहर के अन्य हिस्सों में बाजारों को सजाने की अनुमति दी जा रही है, वहीं राजवाड़ा पर पारंपरिक फूल-मालाएँ और दीपावली पूजन सामग्री बेचकर अपने परिवार का पेट पालने वाले गरीब फुटपाथ व्यापारियों को वहां से खदेड़ दिया गया है।

पीड़ित व्यापारियों का आरोप है कि नगर निगम का यह रवैया पूरी तरह दोहरा है। उनका सीधा सवाल है कि जब कुछ ही दिन पहले इसी क्षेत्र में करवा चौथ के मौके पर करवे और पूजन सामग्री बेचने वाले दुकानदारों को खुलकर दुकानें लगाने की अनुमति दी गई थी, तो फिर दिवाली पर उन्हें क्यों निशाना बनाया जा रहा है? क्या कानून और नियम हर वर्ग के लिए अलग-अलग हैं?

सालभर में आने वाले इन 8-10 दिनों के त्योहारी कारोबार पर ही इन गरीब परिवारों की आजीविका टिकी होती है। इन दिनों होने वाली थोड़ी बहुत कमाई से ही वे अपने बच्चों के लिए दिवाली की खुशियां जुटा पाते हैं। अचानक लगाई गई इस रोक से उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। अब इन लाचार दुकानदारों ने नगर निगम प्रशासन से गुहार लगाई है कि उन्हें भी कम से कम दीपावली तक व्यापार करने की अनुमति दी जाए, ताकि उनके घरों में भी दीवाली मन सके।





फोटोग्राफर के पास से चार किलो से अधिक गांजा जब्त

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने शहर में अवैध मादक पदार्थों की आपूर्ति पर नकेल कसते हुए एक अप्रत्याशित गिरफ्तारी की है। राजकुमार मिल इलाके के सार्वजनिक शौचालय और सब्जी मंडी तिराहे के पास संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के दौरान टीम को एक युवक प्लास्टिक की बोरी लेकर बैठा मिला। पुलिस की मौजूदगी देखते ही घबराए युवक को घेरकर पकड़ लिया गया। तलाशी में बोरी से 4 किलो 118 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 41 हजार रुपये बताई जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान तुकोगंज निवासी 24 वर्षीय उदय डगला उर्फ मोनू के रूप में हुई, जो फोटोग्राफी का काम करता है। इस पेशे से जुड़े व्यक्ति के पास इतनी मात्रा में मादक पदार्थ मिलना पुलिस के लिए चौंकाने वाला रहा। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि पूछताछ में गांजे के स्रोत और सप्लायर नेटवर्क के सुराग जुटाए जा रहे हैं। शहर के व्यस्त सार्वजनिक स्थानों पर ऐसी गतिविधियां रोकने के लिए क्राइम ब्रांच की नियमित गश्त जारी है, जिससे तस्करी की छोटी कड़ियों को भी पकड़ने में मदद मिल रही है।



AMAZING FACTS

A Single Lightning Bolt Powers a Town

A powerful lightning bolt contains billions of joules of energy. That's enough energy to power hundreds of homes for a short time. Nature's electrical storms are among the most energetic events on Earth.

● MISHTI TYAGI

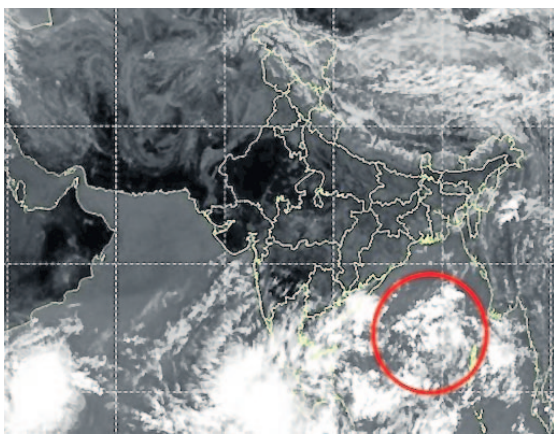
TECHNOLOGY NEWS

Cybersecurity: Protecting the Digital World

Cybersecurity has become a major concern as more people use the internet for banking, shopping, education, and communication. It refers to the methods and technologies used to protect computers, mobile phones, networks, and personal information from cyberattacks. Common online threats include phishing emails, identity theft, harmful software, and data breaches. With the development of artificial intelligence, cybercriminals may also use advanced tools to create convincing fake messages and scams.

To stay safe online, users should create strong passwords, enable two-factor authentication, avoid clicking on suspicious links, and keep their devices updated. Companies and governments are also investing in stronger security systems to protect sensitive data and digital services. Cybersecurity awareness is essential for everyone because even a small mistake can lead to financial loss or the misuse of personal information. As technology continues to advance, protecting digital information will remain a major priority worldwide.

● PRAGYANSH



SCIENCE NEWS

India on alert: Low-pressure system over Bay of Bengal may intensify into cyclone

An Andaman Sea circulation is likely to form a low-pressure area over the Bay of Bengal on 23 October 2026. Its expected intensification has put India's eastern coast on watch, though no cyclone or landfall is confirmed.

A developing weather system over the Andaman Sea could mark the beginning of a fresh cyclonic threat over the Bay of Bengal, with a low-pressure area likely to form on October 23, 2026.The system is expected to move west-northwestwards and intensify further, putting coastal regions on watch as meteorologists track its development.

According to the latest weather update, an upper-air cyclonic circulation over the North Andaman Sea moved west-northwestwards and lay over the North Andaman Sea, off the Andaman Islands, at 5:30 am IST on October 22.

● VIDHI PATIL

जन्म से नाक के दोनों रास्ते बंद ऑपरेशन से बची जान

रायपुर में डॉक्टरों ने एक दुर्लभ जन्मजात बीमारी 'कोएनल एट्रेसिया' (Choanal Atresia) से पीड़ित नवजात बच्ची की जान दूरबीन विधि (Endoscopy) से बिना किसी बाहरी चीरे के सफल ऑपरेशन करके बचाई।

- **बीमारी:** कोएनल एट्रेसिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें जन्म से ही नाक के पिछले हिस्से से गले की ओर जाने वाले वायुमार्ग (सांस के रास्ते) बंद होते हैं।
- **ऑपरेशन की प्रक्रिया:** नाक, कान एवं गला (ENT) रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश गुप्ता ने दूरबीन की मदद से नाक के भीतर से ही दोनों बंद रास्तों को खोलकर हवा के आने-जाने के लिए छिद्र बनाए।
- **विशेषता:** यह पूरी प्रक्रिया नाक के अंदर ही की गई, जिससे बाहर से कोई भी चीरा या टांका लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी।
- **रिकवरी:** सफल सर्जरी के बाद बच्ची को 3 दिनों तक डॉक्टरों की विशेष निगरानी में रखा गया और



स्थिति में सुधार होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल के अनुसार बच्ची को जन्म के अगले दिन गंभीर हालत में लाया गया था। नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सचिन पिटलावर और उनकी टीम ने जांच की। सीटी स्कैन में पता चला कि नाक के पीछे दोनों ओर सांस लेने के रास्ते बंद हैं। डॉक्टरों ने इसे कोएनल एट्रेसिया नामक दुर्लभ जन्मजात बीमारी बताया। इसमें नाक के पिछले हिस्से में सांस के रास्ते पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते या बंद रहते हैं।

दोनों ओर रास्ते बंद होने पर नवजात को सांस लेने में गंभीर परेशानी हो सकती है। बच्ची की हालत को देखते हुए उसे सांस देने वाली मशीन की सहायता दी गई। इलाज करने वाली टीम में डॉ. राकेश गुप्ता, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. अर्चना पराग, नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सचिन पिटलावर, डॉ. अर्चना राय और नवजात गहन चिकित्सा इकाई की टीम शामिल रही।

दूरबीन से दोनों रास्ते खोले, बाहर कोई चीरा नहीं लगाया।

यह जन्मजात समस्या है, जिसमें नाक के पिछले हिस्से से गले की ओर जाने वाला एक या दोनों वायुमार्ग बंद होते हैं। दोनों रास्ते बंद होने पर नवजात को नाक से सांस लेने में गंभीर परेशानी हो सकती है। ऐसे बच्चों को तत्काल चिकित्सकीय जांच और जरूरत के अनुसार सांस लेने में सहायता तथा सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है।

SAANVI DHIMAN

Art and craft News

Hyderabad Art Week 2026: Four galleries invite first-time visitors

Kalakriti, Srishti, Kadari and Dhi Contemporary to host exhibitions, heritage walks, workshops, talks and 'sip and hop' cafe outings for newcomers and regular art lovers

If they thought of visiting an art gallery seems boring or intimidating, the first edition of Hyderabad Art Week (HAW), from October 26 to November 1, hopes to change that. Think of gallery hopping, heritage walks, workshops, and conversations with art practitioners and curious visitors. Four of Hyderabad's leading galleries — Kalakriti, Srishti, Kadari and Dhi Contemporary — are coming together with a week-long itinerary to attract high school students, art students, architects and interior designers, and anyone curious about art.

● SHOURYA DOIFODE



ECONOMICS NEWS

Government Puts 25 Coal Blocks on Sale in 16th Round of Commercial Auctions

New auction round aims to expand domestic coal production and strengthen private-sector participation in the coal sector

NEW DELHI: The Government of India has announced the 16th round of commercial coal mine auctions, putting 25 coal blocks up for sale as part of its continuing efforts to increase domestic coal production and reduce dependence on imported coal.

The latest auction round is expected to provide greater opportunities for private-sector participation in coal mining and support the country's broader energy-security objectives.

[Continue with the verified details from the source article, including the states where the blocks are located, auction categories, estimated reserves, production potential, eligibility requirements and government statements.]

The commercial coal auction programme is intended to enable companies to participate in coal mining for commercial purposes, with the broader objective of increasing production and improving efficiency in the sector.

KEY HIGHLIGHTS

- 25 coal blocks offered in the 16th round
- Commercial mining through an auction-based process
- Greater participation of private-sector companies
- Focus on increasing domestic coal production



- Part of the government's broader strategy for energy security

BACKGROUND

India has progressively opened its coal sector to commercial mining, allowing eligible companies to mine coal for commercial sale. Successive auction rounds have been conducted to bring additional coal resources into production.

The latest auction represents another step in this process, with the government seeking to unlock additional coal resources while encouraging investment and competition in the sector.

WHAT IT MEANS

The auction of additional coal blocks could contribute to higher domestic coal availability and support industries that depend heavily on coal, including power generation and manufacturing. The eventual impact will depend on the successful allocation, development and operationalisation of the mines.

● MISHA SHARMA



La SAGESSE
SEAT OF WISDOM

MAIN CAMPUS

School Facilities

- Smart Class
- Robotics Lab
- Science Labs
- Computer Lab
- Squash Court
- Basketball
- Football
- Skating
- Swimming
- Library
- Rifle Shooting
- Pickle Ball
- Volleyball
- Cricket
- Lawn Tennis
- Indore Badminton Arena

About School

An institution that balances strong academic achievements with overall holistic development of students.

CONTACT US

Ph- 9201959432
9752411052
lasagesse.in

La Sagesse Group of Schools

Our Branches :-



Add.: H-14, Nalanda Parisar, Kesarbag Road, Indore Mo.: 7049299228



Address: 50, Rajaswa Gram Colony, Chhatribag, INDORE Mo.: 9589261662

Panda Road, Near Hotel Red Maple Mashal, A.B. Road, RAU



Senior Luxury Living

SBS Assisted Living
Senior Citizen Care, Redefined





REAL PHOTOS







Panda Road, Near La Sagesse Academy,
Rau, Indore MP 453331
Phone: 9340380647, 8817137388
Email:sbsseniorspride@gmail.com
website: www.sbsseniorspride.com

स्वामी सौरव सेंगर के लिए प्रकाशक/मुद्रक देवेन्द्र सिंह सेंगर द्वारा कॉम्पेक्ट प्रिन्टर्स प्रा. लि. 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड, इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं ला साजेस केम्पस, पानदा रोड, होटल मशाल के पास राऊ, जिला इंदौर (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित। संपादक : स्वर्णिमा सेंगर। मोबाइल : 9244198932 आरएनआई नंबर : MPHIN/2023/88328 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)